# स्वच्छ भारत अभियान का सामाजिक प्रभाव : एक समाजशास्त्रीय दृष्टि

**डॉ. विमल कुमार लहरी**

स्वच्छ भारत अभियान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का एक सपना है। माननीय प्रधानमंत्री जी ने इस सपने को पूरे भारत में स्वच्छता की संस्कृति से जोड़कर देखा है। स्वच्छ भारत अभियान रूपी विचार राष्ट्रीय स्तर का अभियान है। इस अभियान का उद्देश्य अधि–संरचना एवं अधो–संरचना को साफ–सुथरा रखना है। वस्तुतः यह अभियान महात्मा गांधी जी के जन्म दिवस पर आरम्भ किया गया था। चूंकि महात्मा गांधी ने स्वच्छता के लिए अपनी शिक्षा ही नहीं, वरन् क्रियात्मक रूप से इसे अपने जीवन में अपनाया एवं निम्न कार्यों में लगी जनता को बाहर निकालकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ा। गांधी जी पूरे देश में स्वच्छता की अलख जगाया। इसी नाते प्रधानमंत्री जी ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत गांधी जी के जन्म दिन के अवसर पर किया। इस मिशन का उद्देश्य 2019 तक पूरे भारत को गन्दगी की संस्कृति से बाहर निकालकर स्वच्छता की संस्कृति के रूप में स्थापित करना है।

भारत के शीर्ष नेतृत्व के रूप मे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वच्छता की मुहिम बड़े स्तर पर चलाई जा रही है। स्वच्छता अभियान को जन–जन तक पहुंचाने के लिए स्वच्छता दूतों को नियुक्त किया गया है। स्वच्छता हेतु नियुक्त दूत पूरे भारत में जन–जागरूकता फैला रहे हैं। विगत 5 वर्षों में स्वच्छता की स्थिति का मूल्यांकन किया जाए तो तस्वीर कुछ बदली–बदली नजर आती है। सामाजिक परिवर्तन को बड़े स्तर पर गति मिली है। अस्तु प्रस्तुत शोध–पत्र में स्वच्छ भारत अभियान के प्रभाव के परिणाम स्वरूप पढ़ने वाले सामाजिक प्रभाव को दिखाने का प्रयास किया गया है।